आरती

ओम जै कलाधारी हरे, स्वामी जै पौणाहारी हरे,
भक्त जनो की नैया, दास जनो की नैया
बाबा भव से पार करे, ओम जै.....
बालक उम्र सुहानी, नाम बालक नाथा,
स्वामी नाम बालक नाथा अमर हुए शंकर से.....2
सुनकर अमर गाथा, ओम जै.....
सीस पे बाल सुनहरी, गल रूद्राक्षी माला,
हाथ मे झोली चिमटा.....2
आसन मृगशाला, ओम जै .....
सुन्दर सेली सीगी, बैरागन सोहे,
बाबा बैरागन सोहें, गऊ पालक रख बालक.....2
भक्तन मन मोहे, ओम जै .....
अंग भभूत रमाई, मूर्ति प्रभु रंगी,
बाबा मूर्ति प्रभु रंगी, भय भंजन दुख नांशक 2
भरतरी के संगी, ओम जै.....
रोट चढ़त रविवार को, फल फूल मिश्री मेवा
बाबा फल फूल मिश्री मेवा, धूप दीप कुदनू से 2
आंनद सिद्ध देवा, ओम जै .....
भक्तन हित अवतार लियो प्रभु देख के कल्लु काला
बाबा देख के कल्लु काला, दुष्ट दमन शत्रुगण 2
दीनन प्रतिपाला, ओम जै .....
श्री बाबा बालक नाथ जी की आरती, जो कोई नर गावे 2
नाम सिमर जोगी का, मन वांछित फल पावे, ओम जै.....

विनती

दीन दयाल भरोसे मेरे सब परिवार मैं आवा तेरे
ओखा वेला न दिखाई मालिका 2
सब्बे पैर तुम्हारी आशा 2
पूर्ण कर दियो मन दी आशा, पूर्ण कर दियो दिल दी आशा।
आशा मुरादां पूरी करन वाले बाबा तेरी सदा ही जै।
हाथ जोड़ करूं बेनती, करियों नाथ जी स्वीकार।
सेवक भुल्लनहार तेरा, तू है बक्शानहार।
बक्शो बक्शनहार बाबा जी, बक्शो मेरी लाज।
शरण पड़े की लाज राखियों, बाबा जी मेरी लाज।

'' जै सिद्ध श्री बाबा बालक नाथ जी जय''

ॐ जय पर्वत वासी, गुफा निवासी, जय जय दीन दयाल,
जय अवनाशी, जल थल वासी, सनतन के प्रति पाल।
जय उच्च राशी महा विकाशी, नाथ बाल गोपाल।
जय सत्य प्रकाशी असत अवनाशी रूप अनूप विशाल,
जय बह्माचारी जटाधारी भगतन के प्रतिपाल।
जय सिद्धसिधारी दूधाधारी, सरिता सुख सनचार,
जय पौणाहारी, गुफाधरी गंऊओं के चरवाल।
जय शिव पुजारी इच्छाधारी, लुहारी के नन्दलाल,
चरनन मे रख तन मन, तेरे शीश निवाऊ सतवार।
नजर मेहर के फेर के नाथ दीजो दुकडे टाल,
जोत जगाके पुष्प चढाके गांऊ में जय जय कार।
रिद्धि सिद्धि मोहे बक्शो ओ मेरे दाता,
चरनन से मोहे दीजो प्रीती सुधबुध और ज्ञान।
डोलती नैया पार करे, हे मेरे भगवान।
हाथ जोड़ मै करू बेनती करियों नाथ स्वीकार।
दास भुल्लनहार बालका तेरा, तु है बक्शन हार।
जय हो जय हो जय हो बाबा बालक नाथ।